भोपाल, 18 अक्टूबर 2020
www.jagranmp.com/epaper

2020 उप चुनाव

दैनिक जागरण

चम्बल उपचुनाव : सत्ता की गाड़ी के एक्सीलेटर पर कब्जे की कोशिश में बसपा

पार्टी पूरी दमखम से लड़ रही मप्र के उपचुनाव में

देव श्रीमाली, ग्वालियर

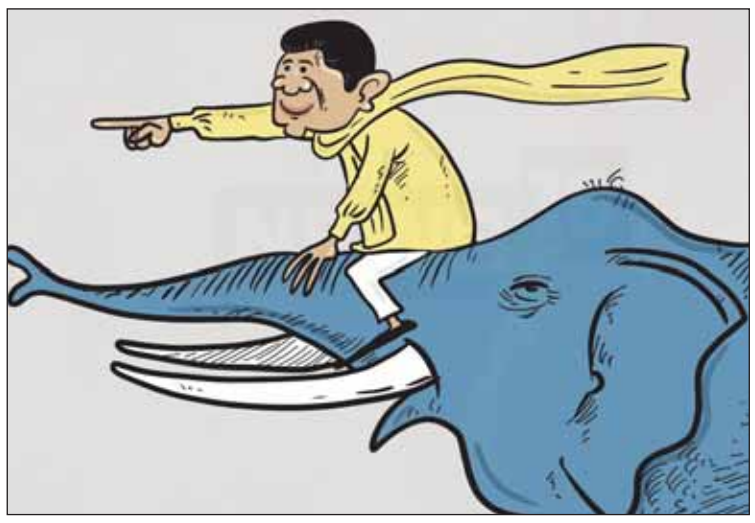

पहला मौका है, जब बहुजन समाज पार्टी उपचुनावों के मैदान में दो-दो हाथ कर रही है। बसपा का सबसे बड़ा जनाधार यूपी में है वहां सुप्रीमो बहिन मायावती मुख्यमंत्री भी रह चुकी हैं बावजूद इसके इस राज्य में भी बसपा कभी उपचुनाव में नहीं उतरी, जबकि मप्र के उपचुनाव में वह पूरी दमखम से लड़ रही है। आखिर क्यों ,इसका जबाव बसपा के युवा विधायक संजीव सिंह संजू के बयान से मिलता है। वे दावा करते हैं कि चम्बल के उप चुनाव के परिणाम मप्र की सियासत की दिशा बदल देंगे। परिणाम के बाद सत्ता की ड्राइविंग सीट पर बसपा होगी क्योंकि एक्सीलेटर हमारी पार्टी के कब्जे में होगा। दरअसल बसपा इसलिए इन चुनावों में कूदी, क्योंकि यहां उप चुनाव बारह फीसदी सीटों पर यानी 230 में से 28 सीटों पर यह उप चुनाव होना है और सभी सीटों पर हाथी सीटी बजा रहा है । बसपा इसके जरिये प्रदेश की सियासत में बड़े उलटफेर की फिराक में है। उसने चौसर भी ऐसी ही बिछाई है। अभी बसपा के दो विधायक हैं और वह अपना आंकड़ा बढ़ाना चाहती है। बसपा ने सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारकर मुकाबले को रोचक बना दिया है, लेकिन उसकी असली ताकत सिर्फ ग्वालियर-चम्बल में हैं। भाजपा ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करके आये 25 पूर्व कांग्रेसी विधायको को टिकिट दिया है तो कांग्रेस ने भी ऐसे ही ज्यादातर प्रत्याशी जुटाए है ऐसे में भाजपा भाजपा को उसने नीचे धकेल दिया था। करैरा और सुमावली में उसे क्रमशः चालीस हजार और तीस हजार से ज्यादा वोट मिले थे और मामूली अंतर से तीसरे स्थान पर रहे थे। इस सत्ता संघर्ष को बसपा ने रोचक बना दिया है।

नब्बे के दशक से अब तक के परिणामों के आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे ग्वालियर-चंबल अंचल में दलित मतदाताओं के बीच बसपा की अच्छी पकड़ मानी जाती है।आंकड़े भी इसकी गवाही देते हैं। इन 16 में से 11 सीटें ऐसी हैं जिन पर कभी न कभी बसपा ने जीत दर्ज की है जबकि एक सीट ऐसी भी है जिस पर वह 2018 के विधानसभा चुनाव में 50 हजार से अधिक वोट लाकर दूसरे पायदान पर रही थी।इस तरह कुल मिलाकर 12 सीटों पर बसपा का खासा प्रभाव रहा है।2018 के विधानसभा चुनावों में इन सीटों पर बसपा को मिले वोटों की बात करें, तो पोहरी में वह 52,736 वोट पाकर दूसरे पायदान पर थी और महज 7,918 वोट से चुनाव हारी थी।जौरा में भी 41,014 वोट पाकर दूसरे नम्बर पर रही थी।

खेलेंगे नहीं तो खेल बिगाड़ेंगे

चम्बल में एक कहावत है खेलेंगे नही तो खेल बिगाड़ेंगे । बसपा को लेकर लोग यही कहते है । अगर वह जीतती नहीं है तो कांग्रेस-भाजपा के जीतने वाले प्रत्याशियों का खेल बिगाड़ती है।जिन 16 सीटों पर चुनाव हैं, 2018 में उनमें से कुल 7 सीटें ऐसी थीं जहां कांग्रेस और भाजपा के बीच हार-जीत के अंतर से अधिक वोट बसपा को मिला था। तब भाजपा ने नुकसान उठाया था और संयोगवश वह 7 सीटों से ही सत्ता से दूर रह गई थी। उस समय भाजपा को नुकसान इसलिए उठाना पड़ा था क्योंकि दलित कानून में संशोधन के चलते अंचल का दलित उससे नाराज था। वहीं, कांग्रेस को पसंद न करने वाला भाजपा समर्थक दलित बसपा की ओर चला गया था। साथ ही, शिवराज के सवर्ण विरोधी बयान माई के लाल से नाराज सवर्ण जो कि भाजपा का परंपरागत वोट बैंक रहा हैं और कांग्रेस को पसंद नहीं करता, उसने भी कई जगह बसपा पर दांव लगा दिया था। भाजपा को अपनी सरकार बचाने के लिए कम कम नौ सीटें चाहिए और कांग्रेस को सत्ता में वापिसी के लिए और कांग्रेस को दो दर्जन से ज्यादा। ऐसे में बसपा यदि अपने अंक बढा लेती है तो दो दोनो को मुसीबत हो जाएगी।

अंचल के राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद भार्गव मानते है कि बसपा मेहगांव, मुरैना, जौरा और पोहरी, इन चार सीटों पर मुकाबले में है। जबकि पूर्व सांसद और बसपा नेता डॉ. राम लखन सिंह का दावा है कि प्रदेश में बसपा किसी के वोट काटने नही बल्कि जीतने उतरी है। एक दर्जन सीट पर उसके प्रत्याशी अच्छी स्थिति में हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने नाथ पर लगाया अहंकारी होने का आरोप, कहा उपचुनाव में टूटेगा गुरूर

कमल सेठ लोकतंत्र प्यार से चलता है पैसे से नहीं

प्रमुख संवाददाता, भोपाल

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी डी शर्मा ने कमलनाथ पर चुनावी हमला बोलते हुए कहा कि कमल सेठ लोकतंत्र प्यार से चलता है पैसे से नहीं। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में जनता आपके गुरूर को तोड़ देगी। कांग्रेस के घोषणा पत्र को छलावा बताते हुए उन्होंने कहा कि पिछले वादे पूरे नहीं किए और एक बार फिर झूठ सहारे जनता की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास कांग्रेस कर रही है।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा में वी डी शर्मा ने कहा कि कमलनाथ सरकार ने अपने 15 महीनों के कार्यकाल में चुनाव के समय जारी किए गए अपने वचन पत्र का एक भी वादा पूरा नहीं किया। अब 28 विधानसभाओं के चुनाव देखते हुए कमलनाथ एक और पूरक वचनपत्र ले आए हैं, ताकि एक बार फिर से जनता की आंखों में धूल झोंकी जा सके। कांग्रेस की हालत बताता है पूरक वचन पत्र शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का यह वचन पत्र पार्टी की अंदरूनी हालत को प्रकट करता है। इसमें कोई घोषणा नहीं है। कमलनाथ के अलावा कोई दूसरा नेता इस वचन पत्र में कही नजर नहीं आता और न ही किसी का जिक्र है। श्री शर्मा ने कहा कि नया वचन पत्र जारी करते समय कमलनाथ ने 4 मिनट में 5 बार भाजपा और सीएम को कोसा। इससे पता चलता है कि कांग्रेस और कमलनाथ सीएम से कितने डरे हुए हैं।

अधूरा रहा हर वादा

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने 2018 के वचन पत्र में कहा था कि हम अनाज, सब्जियों पर किसानों को बोनस देंगे, दूध पर बोनस देंगे, लेकिन किसी किसान को एक रुपया बोनस नहीं दिया। कांग्रेस ने डीजल-पेट्रोल पर छूट देने की बात कही थी। लोगों को आवास के अधिकार की बात कही थी, जिसमें ढाई लाख रुपये और 450 वर्गफीट जगह का प्रावधान था। कांग्रेस ने कहा था हम नौजवानों को 4 हजार रुपये महीना बेरोजगारी भत्ता देंगे, व्यवसाय के लिए रियायती दरों पर कर्ज देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने रोजगार प्रोत्साहन के लिए 10 हजार रुपये का अनुदानयुक्त ऋण देने की बात कही थी। इनमें से एक भी वादा पूरा नहीं किया।

उपचुनाव में जनता शिवराज से मुंह मोड़ेगी

कमलनाथ बोले- हमने 2018 के वचन पत्र के 974 में से 574 वादे पूरे किए

अब उनसे केवल मुंह नहीं मोड़ेगी, बल्कि उन्हें तमाचा मारेगी।

चार दिन में ही बौखला गए

मुख्य प्रतिनिधि, भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने निवास पर उपचुनाव के लिए वचन पत्र जारी करते हुए कहा कि हमने हमारे वर्ष 2018 के वचन पत्र के 974 बिंदुओं में से 574 बिंदुओं को पूरा कर राजनीति के क्षेत्र में एक आदर्श स्थापित किया। प्रदेश में दोबारा हमारी सरकार बनने पर इस वचन पत्र के सभी बिंदुओं को हम हर हाल में पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता और शिवराजजी वचन पत्र को लेकर कितना भी झूठ बोल लें, हमारी सबसे बड़ी गवाह जनता है। हमें कोई सफाई नहीं देनी। उनके पास बोलने लायक कुछ नहीं है। पिछले सात महीने में सौदेबाजी करने, नारियल फोड़ने, झूठी घोषणाएं व शिलान्यास करने के अलावा उन्होंने किया क्या है? उन्होने कहा कि मप्र जनता बहुत समझदार है, वह शिवराज के चंगुल में नहीं फंसने वाली। उपचुनाव में जनता इस मौके पर पूर्व सीएम कमलनाथ ने मीडिया से चर्चा में सीएम शिवराज के आरोपों को लेकर कहा कि शिवराज जी मुझ पर मिस्टर 15 परसेंट के आरोप लगा रहे हैं, तो वे खुद 115 परसेंट हैं। वे यह भी बता दें कि पिछले 40 साल से चुप क्यों थे? 40 साल से तो उन्होंने यह बात कभी नहीं की? उन्होंने कहा कि भाजपा तो पिछले 7 माह से चुनाव लड़ रही है, हम तो अभी चार-पांच दिन से ही चुनाव के लिए मैदान में आए है। चार-पांच दिन में ही भाजपा और उसके नेता बौखला गए हैं। भाजपा प्रशासकीय तंत्र के भरोसे चुनाव लड़ना चाहती है। हम व्यापमं, ई टेंडर और तमाम भाजपा सरकार के घोटालों की जांच करा रहे थे, इसीलिए तो उससे डर कर हमारी सरकार बीच में ही गिरा दी गई।

दिग्विजय ने सोशल मीडिया पर डाला 'गद्दार रेट कार्ड', सियायत में उफान

भाजपा ने चुनाव आयोग में की दिग्विजय सिंह की शिकायत

दिग्विजय ने कहा-जब तक मतदाताओं को 35 करोड़ में से उनका हिस्सा न मिले, तब तक उन्हें वोट नहीं दें

मुख्य प्रतिनिधि, भोपाल

मप्र के सियासी रण में इन दिनों उपचुनाव की जंग छिड़ी हुई है। इस चुनावी जंग में राजनीतिक दल एक-दूसरे पर जमकर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। उपचुनाव में सिंधिया समर्थक भाजपा प्रत्याशी लगातार कांग्रेस के निशाने पर है। पार्टी उन्हें गद्दार करार देकर मतदाताओं से चुनाव हराने की अपील कर रही है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उपचुनाव लड़ रहे बीजेपी प्रत्याशियों का रेट कार्ड जारी किया है, जिसे 'गद्दार रेट कार्ड' नाम दिया है। इस रेट कार्ड में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए 25 प्रत्याशियों के नाम और फोटो दर्ज है। दिग्विजय सिंह के इस गद्दार रेट कार्ड ने मप्र की सियासत में उफान ला दिया है। भाजपा ने मामले की शिकायत चुनाव आयोग से की है। दिग्विजय सिंह ने शनिवार सुबह अपने ट्विटर एकाउंट पर गद्दार रेट कार्ड जारी किया। इसके जरिए उन्होंने सिंधिया समर्थक चुनाव लड़ रहे अन्य भाजपा प्रत्याशियों पर निशाना साधते हुए उन पर 35-35 करोड़ रुपए में बिकने का आरोप लगाया है। रेट कार्ड में 2018 के विधानसभा चुनाव में इन नेताओं को जो वोट मिले थे, उसे 35 करोड़ से विभाजित कर एक वोट की कीमत निकाली गई है। प्रति वोट की औसत कीमत 3757 से लेकर 5770 रुपए तक निकल रही है। इस हिसाब से सभी बीजेपी प्रत्याशियों से उतना पैसा लेने की अपील मतदाताओं से की गई है। दिग्विजय सिंह के कहा कि 35-35 करोड़ रुपए इन विधायकों ने लिए हैं, तो ये बात ठीक है कि जितने वोट तुम्हें मिले, उतना प्रति वोट हमें दे जाओ। आखिर जनता का भी तो बही-खाता होता है। लोकतंत्र के बही-खाते में जो लोग कांग्रेस से गद्दारी कर 35-35 करोड़ में बिके, उन्हें जिन लोगों ने वोट दिए, उसमें से वोट देने वालों को उनका हिस्सा देना चाहिए। जब तक उन्हें उनका 35 करोड़ में से हिस्सा न मिले, तब तक उन्हें वोट नहीं देना चाहिए। गौरतलब है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित 22 कांग्रेस विधायक मार्च में भाजपा में शामिल हो गए थे। इससे कांग्रेस सरकार गिर गई थी। इसके बाद तीन और कांग्रेस विधायक पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। तीन सीटें विधायकों के निधन से खाली हुई हैं। इस तरह कुल 28 सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। कांग्रेस छोड़ने वाले सभी पूर्व विधायक शुरुआत से पार्टी के निशाने पर हैं।

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस व एनएसयूआई अध्यक्ष का नाम नहीं

स्टार प्रचारकों की सूची में वासनिक दूसरे, प्रियंका 6वें नम्बर पर

राहुल गांधी होंगे मुख्य स्टार प्रचारक, दिग्विजय सिंह 7वें नम्बर पर

नवजोत सिंह सिद्धू और सचिन पायलट भी प्रचार में होंगे मुख्य चेहरा

30 नामों की सूची में सांसद विवेक तन्खा, कम्प्यूटर बाबा व आरिफ मसूद भी

मुख्य प्रतिनिधि, भोपाल। कांग्रेस ने मप्र में 28 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए शनिवार को अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें सबसे ऊपर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को रखा गया है, जबकि इसके बाद मुकुल वासनिक और कमलनाथ का नाम है। इस सूची में प्रियंका गांधी को छठा और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को सातवां स्थान मिला है। नवजोत सिंह सिद्धू और सचिन पायलट भी प्रचार करते नजर आएंगे। नामदेव दास त्यागी उर्फ कंप्यूटर बाबा भी कांग्रेस के स्टार प्रचारक बनाए गए हैं, लेकिन स्टार प्रचारकों की सूची में युवक कांग्रेस अध्यक्ष कुणाल चौधरी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष मांडवी चौहान, एनएसयूआई अध्यक्ष विपिन बानखेड़े व प्रदेश की किसी बड़ी महिला नेत्री का नाम नहीं है।

दो सीएम भी करेंगे प्रचार

सभी सीटों पर दमखम लगाने के लिए कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर के भी कई नेताओं को प्रचार के लिए बुलाने जा रही है। इसमें छत्तीसगढ़ और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चौहान भी प्रचार करने आएंगे। पार्टी ने आरिफ मसूद समेत तीन विधायकों को सूची में शामिल किया है।

ये हैं कांग्रेस के स्टार प्रचारक

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रदेश प्रभारी मुकुल वासनिक, पूर्व सीएम कमलनाथ, सीएम राजस्थान अशोक गहलोत, सीएम छत्तीसगढ़ भूपेश बघेल, महासचिव प्रियंका गांधी, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री पंजाब नवजोत सिंह सिद्धू, पूर्व उप मुख्यमंत्री राजस्थान सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री महाराष्ट्र अशोक चौहान, चेयरमैन मीडिया विभाग रणदीप सिंह सुरजेवाला, पूर्व पीसीसी चीफ कांतिलाल भूरिया, सुरेश पचौरी, अरुण यादव, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, राजमणि पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, पूर्व मंत्री आरिफ अकील, सज्जन सिंह वर्मा, डॉ. गोविंद सिंह, जीतू पटवारी, जयवर्धन सिंह, लाखन सिंह यादव व कमलेश्वर पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन, समाजसेवी नामदेव दास त्यागी, कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्ण, साधना भाटी, विधायक आरिफ मसूद, सिद्धार्थ कुशवाहा को स्टार प्रचारक बनाया गया है।

दिग्विजय-कमलनाथ के खिलाफ भाजपा पहुंची निर्वाचन आयोग

कहा, पीएम और सीएम के कूटरचित वीडियो किए ट्विटर पर पोस्ट

प्रमुख संवाददाता, भोपाल। भाजपा ने कांग्रेस द्वारा देश प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के कूट रचित वीडियो कांग्रेस द्वारा ट्विटर पर पोस्ट करने, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा अपनी फेसबुक पोस्ट पर भाजपा उम्मीदवारों के संबंध में आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने तथा पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा चुनाव प्रचार के लिए फेसबुक पोस्ट में देवी-देवताओं के चित्र पोस्ट किए जाने को लेकर निर्वाचन आयोग से शिकायत की है। इन शिकायतों को लेकर पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय पहुंचा और लिखित शिकायत सौंपकर कांग्रेस पार्टी तथा दिग्विजय सिंह के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन की कार्रवाई तथा आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की मांग की। चुनाव आयोग से की कई शिकायत में कहा गया है कि 16 अक्टूबर को कॉग्रेस पाटर्क द्वारा अपने अधिकृत ट्वीटर एकाउन्ट पर एक वीडियो डाला गया है। इसमें देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी की आवाज बदल कर, वीडियो से काट-छांट कर कूट रचना की गई है। उक्त वीडियो को देखने से यह स्पष्ट हो रहा है कि अलग-अलग अवसरों पर दिये गये भाषणों के अंश लेकर, उन्हें मिला कर अर्थ बदलने का प्रयास किया गया है। जिससे जनता को भ्रमित कर चुनाव में लाभ प्राप्त किया जा सके। इसके अलावा कांग्रेस द्वारा फेसबुक पर देवी देवताओं के चित्रों के उपयोग को लेकर भी शिकायत दर्ज कराई गई है।

दिग्विजय की शिकायत साइबर सेल में

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा अपने फेसबुक पेज पर भाजपा उम्मीदवारों के संबंध में आपत्तिजनक सामग्री प्रकाशित करने की शिकायत चुनाव आयोग तथा साइबर सेल में की है। शिकायत में कहा गया है कि 17 अक्टूबर को दिग्विजय सिंह द्वारा अपने अधिकृत फेसबुक पेज पर एक पोस्ट डाली गई है जिसमें आगामी उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के नाम तथा फोटो प्रकाशित कर उन पर सोल्ड आउट की सील लगाई गई है। शिकायत में कहा गया है कि इस पोस्ट के साथ भाजपा का चुनाव चिन्ह कमल जानबूझ कर उल्टा प्रकाशित किया गया है। पार्टी ने उनके खिलाफ साइबर एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

विजयवर्गीय को रावण कहे जाने पर भड़की भाजपा

नेताओं ने कहा हिन्दू विरोधी पार्टी के नेता ही कर सकते हैं ऐसी बात

भाजपा नेताओं ने पूछा कि क्या कमलनाथ मिस बर्ल्ड हैं

इंदौर। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा द्वारा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को रावण कहे जाने के बाद सूबे की सियासत में खासा उबाल आ गया। भाजपा नेताओं ने इसे हिंदू धर्म के अपमान से जोड़ते हुए कहा कि बाल बढ़ाना हमारी धार्मिक संस्कृति का हिस्सा है उसे पाखंड बताना धर्म का अपमान है। भाजपा नेताओं ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस बताए कि क्या कमलनाथ मिस वर्ल्ड है? गौरतलब है कि कांग्रेस प्रत्याशी प्रेमचंद गुड्डू के नामांकन दाखिल किए जाने के दौरान आयोजित सभा में पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा ने विजयवर्गीय पर जमकर निशाना साधा था। दरअसल शुरूआत विजयवर्गीय के आपत्तिजनक बयान से हुई थी जिसमें उन्होंने कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को चुन्नू मुन्नू कहा था। इसके जवाब में वर्मा ने विजयवर्गीय को साड़ी और नाक में नथनी पहन कर तंत्र मंत्र करने वाला पाखंडी बताया था। उन्होंने कहा था कि दशहरा पास में आते आते विजयवर्गीय का चेहरा रावण जैसा हो जाता है।

रंगा बिल्ला, रावण कंस तो नहीं कहा

मीडिया वार रूम प्रभारी बाबू सिंह रघुवंशी ने कहा कि सज्जन वर्मा ने जो अभद्र भाषा का प्रयोग किया है वह कैलाश विजयवर्गीय का ही नहीं बल्कि साधू संतो का अपमान है। बाल बढ़ाकर पूजा करना पाखंड है, यह एक हिंदू विरोधी पार्टी का नेता ही कह सकता है। केस बढ़ाकर पूजा करना हिंदू धर्म की परंपरा है। भगवान राम ने भी 14 साल वन में रहते हुए केस मुंडन नहीं करवाया। हमारे यहां 90 फीसदी देवी मंदिरों के पुजारियों के बाल बढ़े हुए हैं। कपटी कम्प्यूटर बाबा को अपने चुनाव का स्टार प्रचारक बनाकर घुमाने वाले धर्म का ज्ञान ना बांटे। रघुवंशी ने कहा जो बचकानी हरकत करते हैं, उन्हें हम चुन्नू-मुन्नू कहते हैं। विजयवर्गीय ने दिग्विजय और कमलनाथ को चुन्नू-मुन्नू ही कहा था। रंगा-बिल्ला या रावण, कंस या मेघनाद नहीं कहा। उस शब्द का इतना अभद्र जवाब देना निंदनीय है।

दिग्विजय को मां की गाली दे चुके वर्मा

भाजपा प्रवक्ता उमेश शर्मा ने कहा कि जिन दिग्विजय सिंह को चुन्नू-मुन्नू कहने पर वर्मा आगबबूला हो रहे हैं। एक समय उन्हीं दिग्विजय को उन्होंने मां की गाली बकी थी। यह सब सार्वजनिक था। यह अहंकार इनके नाश का कारण बनेगा। वरिष्ठ नेता गोविंद मालू ने कहा कि कांग्रेसी नेता हमारे नेताओं की लोकप्रियता से घबराकर ऐसी भाषा बोल रहे हैं।

यह था वर्मा का बयान

बकोल वर्मा..विजवयर्गीय ने सांवेर में ही कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को चुन्नू-मुन्नू कहा है। जवाब तो देना ही पड़ेगा। वो कभी-कभी राहुल गांधी को पप्पू बोलते हैं। सुनो कैलाश तुम्हारी औकात कितनी है। अपनों से बड़ों पर मुंह उठाकर थूकोगे तो थूक तुम्हारे ऊपर ही गिरेगा। अब अपनी कहानी मुझ से सुन लो। भूल गए जब साड़ी पहन के बाल बड़े-बड़े करके, नाक में नथुनी पहनकर, हाथ में चूड़ी पहनकर तंत्र-मंत्र करते थे। बाल बड़े कर लिए, चोटी गूंथ ली... अरे पाखंडी...।

उन्होंने कहा कि अपनी बात भूल गए। मुख्यमंत्री बनने के सपने देख रहे थे। अब भाजपा ने उठाकर कहां फेंक दिया। वहां जाकर जादू करो, लेकिन वहां उससे बड़ी जादूगरनी ममता बनर्जी बैठी हुई हैं। दशहरा जैसे-जैसे पास आता है इसका चेहरा रावण जैसा होने लगता है। मैंने बहुत पास से इसे देखा है। आंखें छोटी-छोटी... नाक पकौड़ा जैसी हो जाती है।